साडी कुंडली च लिखेया ए

साडी कुंडली च लिखेया ए महरानिये,
असी सदा तेरे दर दे गुलाम रहांगे,
तेरे दित्ते होये साहां दी बनाके माला,
असी जपदे सदा ही तेरा नाम रहांगे,

शुद्ध भावना ते सिदक भरोसा रख के,
तेरे भवना च जोत माँ जगाया करांगे
भावें ध्यानु दी असी चरण धूल वी नयी,
फेर वी उदां ही तैनू माँ ध्याया करांगे
तेरे दित्ते होये दोवें हत्थ जोड़के नई माँ,
तेरी मूर्ती नू करदे परनाम रहांगे,
साडी कुंडली च लिखेया ए महरानिये,
असी सदा तेरे दर दे गुलाम रहांगे....

इस दुनिया दे सारे रंग भुलके नई माँ,
तेरे रंगा विच ज़िंदगी नू रंगलांगे
साणु जदों जेडी चीज़ दी माँ लोड़ पयेगी,
पल्ला अडके माँ तेरे कोलो मंगलांगे
मेहराँ तेरियां दे भरयां भंडारा विचों,
लैंदे जग दियां नैमताँ तमाम रहांगे
साडी कुंडली च लिखेया ए महरानिये,
असी सदा तेरे दर दे गुलाम रहांगे

असी ज़िन्दगी ए जीन लई जिथे जावांगे,
तेरा निर्दोष प्यार साडे नाल होयेगा
तू एदां साणु हर वेले ढक्की रखेंगी,
के कदे वी न विन्गा साडा वाल होयेगा
तेरी ममता दी ठंडी छावें बैठ के नी माँ,
पोंदे हर इक दु:ख तों आराम रहांगे
साडी कुंडली च लिखेया ए महरानिये,
असी सदा तेरे दर दे गुलाम रहांगे

Source:
https://www.bharattemples.com/sadi-kundali-ch-likhiya-eh-maharaniye-asi-sda-tere-dar-de-gulam-rahage/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw